

संस्कृत साहित्य लेखिकाः

प्रश्न - 1. एक पद में उत्तर दें -

1. विपुल किम् अस्ति?
2. विपुल संस्कृत साहित्य के संघर्षितम्?
3. काव्यानां रचने संरक्षणे चकाः दत्तावधानाः?
4. जंगमा देवी किं महाकाव्यम् अरचयत्?
5. आधुनिक लेखिकासु का प्रसिद्धा -

उत्तर - संस्कृत साहित्यम्
उत्तर - कविभिः शास्त्रकारैश्च
उत्तर - रित्त्रयः
उत्तर - मधुरा विजयम्
उत्तर - पंडिता ~~सिद्धा~~

प्रश्न 2. पदार्थ वदत ?

- (क) "लभ्यते" इत्यस्य कः अर्थः?
- (ख) "इन्द्राणी" इत्यस्य कः अर्थः?
- (ग) "वर्तते" इत्यस्य कः अर्थः?
- (घ) "विपुलम्" इत्यस्य कः अर्थः?
- (ङ) "ऋषिका" इत्यस्य कः अर्थः?

उत्तर - प्राप्तम्
उत्तर - इन्द्रस्य पत्नी
उत्तर - अस्ति।
उत्तर - विशालम्
उत्तर - ऋषि पत्नी

प्रश्न 3. एक पद में उत्तर दें -

- (क) कस्मिन् भुगे भन्नाणां दर्शका न केवला ऋषयः प्रमुखा ऋषिका अपि सन्ति?
- (ख) वागभूषणी कुत्र ऋषिका निर्दिश्यते?
- (ग) माखवल्लभस्य पत्नी का आसीत्?
- (घ) कस्य सभायां शास्त्रकुशला गार्गी वाचकनवी तिष्ठति स्म?
- (ङ) लौकिक संस्कृत साहित्ये चत्वारिंशत् कवयित्रीणां प्रथमकव्या का वर्तते?
- (च) लौकिक संस्कृत साहित्ये कियतिनां कवयित्रीणां वर्णनं लभ्यते?
- (छ) कवयारामस्य राज्ञी जंगमा देवी कस्य काव्यस्य रचनाम् अकरोत्?
- (ज) अच्युत रामस्य राज्ञी विरुलाभा कस्य काव्यस्य रचनाम् अकरोत्?
- (झ) माखवल्लभस्य पत्नी केन रूपेण वर्णिता?

उत्तर - वैदिक भुगे
उत्तर - अधर्यवेदे
उत्तर - मैत्रेयी
उत्तर - जनकस्य
उत्तर - विजयका
उत्तर - चत्वारिंशत्
उत्तर - मधुरा विजयम्
उत्तर - मधुरा विजयम्
उत्तर - पंडिता ~~सिद्धा~~

- (अ) सर्वशुक्ला सरस्वती का आसीन? — उत्तर - विजयंका ②
 (इ) माणविक्य? तां किं शिक्षयति? — उत्तर - आत्मतत्त्वम्
 (उ) विजयंका का वर्ण आसीत्? — उत्तर - श्याम
 (ए) वह पो जना! कां विजयंका मन्मते? — उत्तर - विजयभट्टारिका
 (ण) चालुक्य वंशस्थ राजा चन्द्रादित्य राज्ञी का आसीत्?

(न) पंडित क्षमाराय स्वपितुः शंकरपाण्डुरंग पंडितस्य महतो विदुषो जीवन-चरितं
 कस्य ग्रन्थस्य रचनाम् अकरोत्? — उत्तर - शंकर-चरितम्

1. प्रश्न - विजयंका को सर्वशुक्ला सरस्वती क्यों कहा जाता है?
 उत्तर - नील कमल के पंखुड़ियों के स्थान श्याम वर्ण वाली विजयंका
 के साहित्य ~~लेखन~~ ग्रन्थ लेखन एवं विदुषी जीवन को देखते हुए आचार्य
 दण्डी ने उसे सर्वशुक्ला सरस्वती से उपमा दिया है।

2. प्रश्न - आधुनिक लेखिकाओं में पंडित क्षमाराय के विदुषी
 जीवन-चरित्र का वर्णन करें?

उत्तर - आधुनिक लेखिकाओं में पंडित क्षमाराय अपने
 पिता शंकरपाण्डुरंग पंडित के अख्य विद्वान-चरित्र के विषय में "शंकर-
 चरितम्" नामक ग्रंथ की रचना की, तथा गान्धि दर्शन से प्रभावित
 होकर उसने सत्याग्रह जीता, ~~भीरालहरी~~ भीरालहरी, कथाभुक्तावली, विचित्र-
 परिणामात्रा, ग्राम ज्योति इत्यादि अनेकों शस्य-पत्र ग्रन्थों की
 रचना की।